अनमोल वचन – ज्ञान की बातें

सतीश कुमार कश्यप
रा.ज.सं., रूड़की

- दुर्वासा यदि सेब खाता, तो श्राप देना भूल जाता।
- मज़दूरों के लिए "शकरकंद" भगवान् का वरदान है।
- घर में हो अनार तो क्यों पड़े बीमार।
- बिस्तर गीला करते हैं तो जामुन से रोकिए।
- छुआरा खाओगे तो छुआरे जैसे बदन भी गदरा जाएंगे।
- खून शुद्ध करना है तो शहतूत पर चढ़ जाइए।
- आम से बड़ा कोई ब्लड बैंक नहीं।
- दिमाग काम नहीं करता तो दिमाग जैसा मेवा खाइए।
- बाल घने उगाने हैं तो ककड़ी खाइए।
- सर्दी अगर सताए तो देसी बादाम चबाइए।
- वायु गोले उठते हैं तो पीलू से फोड़ डालिए।
- संतरा डाक्टरों का भी डाक्टर है।
- प्यार का पहला पाठ फूलों और फलों से लीजिए,
- दिल काबू में नहीं तो उसे फलों का जूस पिलाइए।
- ब्रह्म सताता है तो तरबूज का रस पीजिए।
- हकलाने और तुतलाने वाले को बादाम खिलाइए।
- लोटा हाथ में रहता है तो "कचनार की कलियां" चुनिए।
- खाओ अंगूर नजरे बद–दूर।
- पीलिया सताए तो लाल–लाल फल, मेवे खाइए।